समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

ज्वाइंट वॉर रूम : भारतीय सशस्त्र सेनाओं की युद्ध नीति मे बंदलाव की दिशा मे मंहत्वपूर्ण कदम

Publisher

Published on 18 Sep 2025

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की युद्ध नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की ओर कदम बढ़ते हुए, भारतीय सेना ने ज्वाइंट वॉर रूम की स्थापना की योजना बनाई है। यह पहल तीनों सेनाओं – थलसेना, जलसेना और वायुसेना – के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय को सुनिश्चित करेगी, जिससे भविष्य के युद्धों में त्वरित निर्णय और प्रभावी प्रतिक्रिया संभव हो सकेगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और समन्वय की आवश्यकता

हाल ही में संपन्न ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) के आतंकी ठिकानों पर सटीक एयर स्ट्राइक की। इस ऑपरेशन की सफलता में तीनों सेनाओं के बीच उत्कृष्ट समन्वय और तालमेल एक महत्वपूर्ण कारण था। इस सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भविष्य के युद्धों में तीनों सेनाओं का एकजुट होकर कार्य करना अत्यंत आवश्यक है।

कोलकाता कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस : संयुक्त रणनीति पर मंथन

कोलकाता में आयोजित कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस में तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने एक मंच पर आकर संयुक्त रणनीति, समन्वय और सैन्य तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। इस सम्मेलन में यह बात प्रमुखता से उभर कर सामने आई कि भविष्य के युद्धों में संयुक्त युद्ध कमान की आवश्यकता होगी, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज और प्रभावी हो सके।

ज्वाइंट वॉर रूम : भविष्य की सैन्य रणनीति का हिस्सा

ज्वाइंट वॉर रूम की स्थापना से तीनों सेनाओं को एकीकृत कमांड और कंट्रोल यूनिट के माध्यम से जोड़ने की दिशा में एक ठोस कदम होगा। इससे वास्तविक समय में डेटा और जानकारी साझा करना सरल होगा, जिससे त्वरित निर्णय और प्रतिक्रिया संभव हो सकेगी। इस पहल से न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा, बल्कि सेनाओं के बीच समन्वय भी मजबूत होगा।

भविष्य की तैयारी : तकनीकी उन्नति और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर

भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखते हुए, भारतीय सेना अब तकनीकी उन्नति और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित “टेक्नोलॉजी-फर्स्ट” सोच को अपना रही है। इससे निर्णय लेने की गति और युद्ध के मैदान में त्वरित प्रतिक्रिया संभव हो सकेगी। इसके अलावा, ड्रोन तकनीक और उन्नत निगरानी प्रणालियों का उपयोग भी बढ़ाया जा रहा है, जिससे युद्ध की रणनीति और प्रभावशीलता में सुधार होगा।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की यह पहल भविष्य के युद्धों के लिए एक मजबूत और प्रभावी रणनीति का हिस्सा बन सकती है। ज्वाइंट वॉर रूम की स्थापना से तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय सुनिश्चित होगा, जिससे भारत की रक्षा क्षमता और रणनीतिक प्रभावशीलता में वृद्धि होगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.